अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

जुलाई 2022 अंक 288

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

सम्माननीय बहनों,

सावन का महीना अध्यात्म एवं पर्यावरण के अनूठे संबंध को दर्शाता है। जिस प्रकार चिलचिलाती धूप एवं उमस से सावन निजात दिलाता है, वैसे ही आत्मा पर लगे कषायों की कलुषता को दूर हटाने का सही समय है – सावन।

सावन – अर्थात् संयम का समय। धार्मिक मंच से सदियों पहले एक स्वर गूंजा था धर्मो रक्षति रक्षितः। लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में यह भी कहा जा सकता है कि पर्यावरणं रक्षति रक्षितः। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो ही प्राणी मात्र का अस्तित्व सुरक्षित रहेगा। आज पर्यावरण स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एक धार्मिक व्यक्ति कभी भी पर्यावरण का हनन नहीं कर सकता।

पर्यावरण प्रकृति का प्रांगण है। सह–अस्तित्व की धारणा का प्रबल सूत्र है। अहिंसक संस्कृति का जीता–जागता उदाहरण है। जो आज प्रलोभन और हिंसक वृत्ति के कारण प्रदूषित हो रहा है। पर्यावरण प्रदूषण की पृष्ठभूमि में जैन धर्म ने विविध सिद्धान्तों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, जिनसे कारण और समाधान दोनों की दिशा और अवधारणा को समझा जा सकता है।

जैन तत्त्व में छः काय बताए गए हैं – पृथ्वीकाय, अप्काय, तेजसकाय, वायुकाय, वनस्पतिकाय और त्रसकाय। स्थूल भाषा में इन छः काय का समूह ही पर्यावरण कहलाता है। इन छः कायों के संयम से पर्यावरण स्वतः ही सुरक्षित रह सकता है।

1. जब हम हीरा, सोना, मिट्टी, आदि की Mining या Construction आदि का कार्य करते हैं तो पृथ्वीकाय का हनन करते हैं।
2. पानी का अपव्यय, Swimming, Water Park, Cruise, आदि से अप्काय का हनन होता है।
3. Bonfire, प्लास्टिक आदि जलाने से Sulphur Di-oxide, सिलेंडर गैस, बिजली के अन्य उपकरण का अपव्यय तेजसकाय का हनन है।
4. Air Conditioner, वाहन, वायुयान, रासायनिक पदार्थ वाली फैक्टरी, अत्यधिक शोर वाले Music आदि से वायुकाय का हनन होता है।
5. हरे–भरे जंगलों को काट कर concrete के जंगल तैयार करना, लकड़ी के Furniture, पेड़ कटवाना वनस्पतिकाय का हनन है।
6. वन्यजीवों की हत्या, leather products का उपयोग करना त्रस काय का हनन है।

यातायात के साधनों का संयम, बिजली के उपकरणों का संयम, खाने–पीने का संयम, घर एवं अलमारी को पदार्थों से भरने का संयम, सुख–सुविधाओं का संयम, यह कुछ ऐसे सूत्र हैं जिन पर अमल कर हम अपने पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं और आत्मा को भी हल्का रख सकते हैं।

भगवान महावीर ने ढाई हजार वर्ष पूर्व जल की एक बूंद में असंख्य चेतना के स्पंदन की बात बताई और जल की हिंसा से बचने हेतु प्रेरित किया एवं उसी प्रकार बाकी छः कायों के जीवों की हिंसा से बचने की प्रेरणा भी दी। जैन आगम एवं साहित्य में पर्यावरण शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। परन्तु छः कायों के जीव की रक्षा करने में 'संयम' को हेतु बताया गया है। भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त अहिंसा और संयम के सूत्रों पर चिन्तन और मनन करना पर्यावरण विज्ञान के संदर्भ में उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

बहनों! धर्म हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य करना सिखाता है। इस संसार के सभी तत्त्व एक–दूसरे से संबंध रखते हैं एवं एक–दूसरे को प्रभावित करते हैं। एक का परिवर्तन दूसरे पर असर ना छोड़े ऐसा संभव नहीं है। यह ecology का सिद्धांत है। भगवान महावीर वैज्ञानिक थे, सर्वज्ञ थे। उन्होंने प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का जो सिद्धांत दिया है, उससे हमारा जीवन और हमारी प्रकृति दोनों ही हरी–भरी रह सकती है।

जैनाचार पर्यावरण का मुख्य संरक्षक है। जैनाचार्यों ने व्यक्ति को प्रकृतिस्थ बनाने के लिए ऐसी जीवन पद्धति दी है जो उसकी सुन्दर और आध्यात्मिक भावभूमि तैयार कर देती है। यह भावभूमि है – अहिंसा और अपरिग्रह की। इस पर चलकर कोई भी व्यक्ति एक–दूसरे को कष्ट नहीं दे सकता और ना ही अनैतिक पथ पर चल सकता है। पर्यावरण को विशुद्ध बनाए रखने में यह दो अंग विशेष साधक माने जा सकते हैं।

तो बहनों! सावन के इस माह में हमारी धर्माराधना कुछ इस प्रकार हो जिसमेंड यह चिन्तन भी चले कि हमारी आत्मा शुद्ध और निर्मल तो बने ही, साथ ही हमारे आचरण से प्रकृति या पर्यावरण का दोहन न हो। इस सावन जैन धर्म के 14 नियमों को अपना कर, अपने जीवन को संयमित बनाकर पर्यावरण की सुरक्षा का सार्थक प्रयास करेंगे वर्ना आने वाली पीढ़ियां सावन के झूले, सावन का मौसम मात्र इतिहास में ही पढ़ सकेगी।

स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

राग और द्वेष को कर्मबीज के रूप में अभिहित किया जाता है। जब तक ये बीज विद्यमान रहते हैं तब तक आत्मा एकान्त सुख को प्राप्त नहीं कर सकती। जितना–जितना राग–द्वेष, उतना–उतना दुःख और जितनी–जितनी वीतरागता, उतना–उतना सुख। राग–द्वेष और मोह के क्षय से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

आचार्य तुलसी

26वां महाप्रयाण दिवस

आचार्य तुलसी महाप्रयाण दिवस - विसर्जन दिवस

का आयोजन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदान करवाने हेतु पूज्यप्रवर के प्रति अनंत कृतज्ञता।
'विसर्जन दिवस' कार्यक्रम को देश भर में महिला मंडल के तत्त्वावधान में आयोजित करने हेतु चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता।
विसर्जन दिवस कार्यक्रम को व्यवस्थित संपादित करने हेतु समस्त शाखा मंडल के प्रति हार्दिक आभार।

सेलम में राष्ट्रीय अध्यक्ष

अभातेममं के निर्देशन में तेममं सेलम द्वारा साध्वीश्री लावण्याश्रीजी के सान्निध्य में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं रा.का.स. श्रीमती मंजूला डूंगरवाल की उपस्थिति में आचार्य श्री तुलसी के 26वें महाप्रयाण दिवस को 'विसर्जन दिवस' के रूप में मनाया गया।

साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय तेममं ने तुलसी अष्टकम् द्वारा मंगलाचरण किया। 'तुलसी यशोगाथा' के अन्तर्गत साध्वीश्री लावण्याश्रीजी ने आचार्य श्री तुलसी की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी व साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने तुलसी सद्गुण अक्षरमाला की रोचक प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने विसर्जन को व्याख्यायित किया। स्थानीय मंडल द्वारा श्रद्धांजलि गीत की विशेष प्रस्तुति रही। श्री केवलचंद बोहरा, श्रीमती शर्मिला सिंघवी, श्रीमती कंचन सेठिया, श्री महावीर डूंगरवाल, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सुनीता बोहरा, सभा मंत्री श्री प्रवीण बोहरा, ट्रस्ट अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सेठिया ने आचार्य तुलसी के प्रति भावाभिव्यक्ति दी।

ज्ञानशाला के बच्चों ने 'तुलसी का महान अवदान' तथा तेयुप एवं श्री सौरव बैद ने गीत की प्रस्तुति दी। संचालन श्रीमती समता डूंगरवाल व आभार ज्ञापन श्रीमती मीनू सुराणा ने किया। रात्रि में 'आओ जाने तुलसी' प्रतियोगिता का रोचक एवं शानदार उपलब्धि भरा आयोजन हुआ। पांच ग्रुप्स में विभाजित अति रोचक इस प्रतियोगिता में श्रीमती अक्षिता बैद का सहयोग रहा।

सूरत में महामंत्री

अभातेममं के निर्देशन में तेममं सूरत द्वारा मुनिश्री उदितकुमारजी के सान्निध्य में आचार्य तुलसी महाप्रयाण दिवस पर 'विसर्जन दिवस' का आयोजन किया गया।

मुनिश्री उदितकुमारजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य तुलसी एक महान युगदृष्टा आचार्य थे। उन्होंने अपने जीवन में केवल तेरापंथ और जैन धर्म के विकास के लिए ही नहीं अपितु समस्त मानव जाति को लक्ष्य रख कार्य किया। मुनिश्री ने आचार्य तुलसी से जुड़े अपने जीवन के कई घटना प्रसंगों से अवगत कराया।

मुनिश्री अनन्तकुमारजी ने कहा कि आचार्य तुलसी ने संघ को अनेक अवदान देकर संघ विकास में श्रीवृद्धि की। अभातेममं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने कहा कि आचार्य तुलसी नारी जाति के उन्नायक थे। तेरापंथी महिलाओं को महिला मंडल के रूप में विकास मार्ग प्रशस्त करने का मंच प्रदान किया।

ज्ञानशाला बच्चों के 'तुलसी अष्टकम्' से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद, वरिष्ठ उपासक श्री अशोक संघवी, सभाध्यक्ष श्री नरपत कोचर, अडाजन सभा मंत्री श्री सुनील गुगलिया ने प्रासंगिक विचारों द्वारा आचार्य तुलसी को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थानीय तेममं ने आचार्य तुलसी जीवन प्रसंग पर रोचक परिसंवाद प्रस्तुत किया।

संचालन श्रीमती जयंती सिंघी एवं आभार ज्ञापन श्रीमती पूनम गुजरानी ने किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की विशिष्ट केन्द्रीय मंत्रियों से भेंटवार्ता

दि. 30–31 मई 2022 को अभातेममं के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अभातेममं की योजनाओं एवं कार्यों को देश के कोने–कोने तक पहुंचाने एवं विकास के केसरिया परचम को लहराने के संकल्प के साथ देश की राजधानी दिल्ली में केन्द्रीय मंत्रियों के साथ भेंटवार्ता की। इस क्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी के साथ चली परिचर्चा में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल की योजनाओं से केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया। केन्द्रीय मंत्री ने मंडल के कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए योजनाओं को जनव्यापी बनाने में 'आयुष मंत्रालय' के साथ जुड़कर कार्य करने हेतु विविध योजनाएं बताई। इस भेंटवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा एवं रा.का.स. श्रीमती नीतू पटावरी भी उपस्थित थी।

श्री बी.एल. संतोष (भाजपा राष्ट्रीय संगठन मंत्री) से हुई भेंटवार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल द्वारा संचालित 'कन्या सुरक्षा योजना' के अन्तर्गत किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की एवं अन्य गतिविधियों से भी अवगत कराया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी से हुई मुलाकात एवं वार्ता में मूक–बधिरों के लिए मंडल द्वारा संचालित 'स्नेहम् प्रोजेक्ट' की जानकारी दी गई।

इसी प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी भूतपूर्व क्रिकेटर एवं सांसद श्री गौतम गंभीर को भी दी गई। माननीय सांसद ने 'स्नेहम् प्रोजेक्ट' के Brand Ambassador बनने की स्वीकृति भी प्रदान की। इसमें श्रीमती नीतू पटावरी का विशेष सहयोग रहा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने Co-ordinator of Co-operation Cell श्री नवीन सिन्हा से भेंट की। श्रीमती नीलम सेठिया ने माननीय सिन्हा को संस्था द्वारा संचालित 'आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना' के अन्तर्गत 'जैन स्कॉलर' कोर्स की पूर्ण जानकारी दी।

श्रीमती विशाखा सैलानी (Member-NDMC) एवं श्रीमती शोभा विजयेन्द्र गुप्ता (Founder-Sampoorna NGO) से भी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में 'कन्या सुरक्षा सर्कल' और अन्य कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी की भी गरिमामय उपस्थिति रही।

पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा के विशेष प्रयत्नों से एवं उपस्थिति में सम्पन्न इस भेंटवार्ताओं में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी को 'अमृतम्' ग्रन्थ एवं 'नारीलोक आचार्य महाश्रमण षष्टिपूर्ति अभिवन्दना विशेषांक' उपहृत किया।

कर्नाटक राज्यपाल महामहिम श्री थावरचन्द गहलोत ने किया AID TO ASSISTING HAND प्रोजेक्ट का लोकार्पण

6 जून 2022 को अभातेमम के तत्त्वावधान में घरेलु कामकाजी महिलाओं हेतु **Aid to Assisting Hands** प्रोजेक्ट का अनावरण कर्नाटक राज्यपाल महामहिम **श्री थावरचन्द गहलोत** के करकमलों से किया गया।

अभातेमम के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया सहित रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती लता जैन, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती सरिता गोठी, श्रीमती संतोष गिड़िया, विजयनगर बेंगलुरु की अध्यक्ष श्रीमती प्रेम भंसाली मंत्री श्रीमती सुमित्रा बरड़िया एवं अन्य सदस्याओं ने बेंगलुरु स्थित राजभवन में राज्यपाल से भेंटवार्ता की। मंडल के समस्त कार्यों की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

श्रीमती वीणा बैद के अथक प्रयासों से आयोजित इस भेंटवार्ता में महामहिम राज्यपाल ने अभातेमम के योजनाओं एवं कार्यों पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उपरोक्त प्रोजेक्ट के Logo एवं Poster पोस्टर का अनावरण किया। अभातेमम की ओर से राज्यपाल को 'अमृतम्' ग्रन्थ भी उपहृत किया गया।

Aid to Assisting Hands

'निर्माण' परियोजना के अन्तर्गत प्रोजेक्ट

Project Inaugurated by
H.E. Sri Thawarchand Gehlot
(Governor of Karnataka)

Aid To Assisting Hands

Aid To Assisting Hands निर्माण

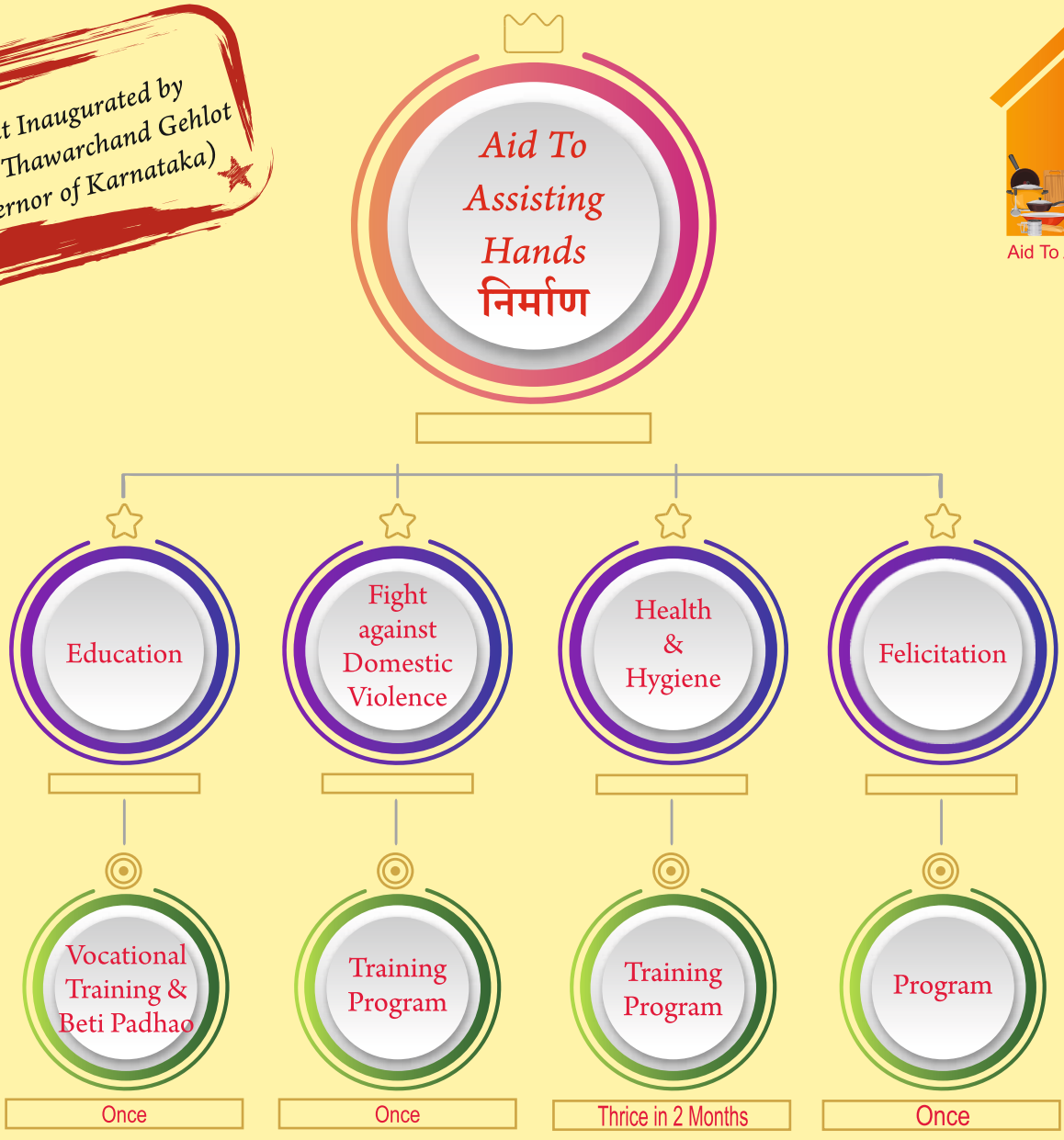

Education	Fight against Domestic Violence	Health & Hygiene	Felicitation
Vocational Training & Beti Padhao	Training Program	Training Program	Program
Once	Once	Thrice in 2 Months	Once

Education – अपने Home Helpers के बच्चों को शिक्षित, प्रशिक्षित करना। बेटी पढ़ाओ के Mission को पूरा करना।

Fight against Violence – घर अथवा बाहर हो रहे मानसिक एवं शारीरिक उत्पीडन से आजाद करवाना। इसमें उन्हें अपनी अस्मिता, आत्मरक्षा, पैसों की बचत, कम ब्याज की दर के स्रोत, संयत व्यवहार, बीमाकरण आदि का प्रशिक्षण देना।

Health & Hygiene – स्वास्थ्य संबंधित प्रशिक्षण के अन्तर्गत कुपोषण से बचना, पौष्टिक आहार बनाना, गर्भावस्था, प्रसवकाल एवं मासिक धर्म के दौरान सफाई प्रशिक्षण एवं स्वच्छता का प्रशिक्षण देना।

Felicitation – Home Helpers के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करना जिसमें उनके सम्मान स्वरूप बातें, Competitions, अल्पहार, पारितोषिक आदि प्रदान करना।

अपने क्षेत्र के राजनीतिक अथवा सामाजिक विशिष्ट महानुभावों से कार्यक्रम का उद्घाटन अवश्य कराएं।
यह कार्य 31 दिसम्बर 2022 से पूर्व अवश्य संपादित करें। प्रोजेक्ट logo www.abtmm.org पर उपलब्ध है।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

श्रीमती बबीता भूतोडिया मो. 9883182688

श्रीमती दीपा पारख मो. 9790730303

FEED THE MIND

पाठशाला पुस्तकालय परियोजना

पुस्तकालय स्कूलों में विद्यार्थियों हेतु ज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है। पुस्तकालय से विद्यार्थियों में पढ़ने के प्रति अभिरुचि प्रवर्द्धमान होती है। पुस्तकालय का शान्त और सौम्य वातावरण विद्यार्थियों को पढ़ने हेतु प्रोत्साहित करता है, पढ़ने की महत्त्वपूर्ण आदत विकसित करता है। कई स्कूलों से पुस्तकालय और उसमें संग्रहित पुस्तकें विलुप्त होती जा रही है। अपेक्षा है कि इस पहलू पर ध्यान देते हुए ऐसे पुस्तकालयों का निर्माण किया जाए जिससे पढ़ाई में अभिरुचि रखने वाले विद्यार्थियों का तुष्टिकरण हो सके और उनके भावी जीवन के निर्माण में सहायक बन सके।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, इसी दिशा में अग्रसर होते हुए समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत एक पहल कर रही है –

FEED THE MIND

(पाठशाला पुस्तकालय परियोजना)

इसे दिशा प्रदान करते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में योगभूत बनने हेतु समस्त शाखा मंडलों से जुड़ी बहनों से निवेदन कि इस योजना का अधिकाधिक क्रियान्वित करें और भावी पीढ़ी के सशक्त निर्माण में योगभूत बनें।

Pre-Requirements

1. अपने क्षेत्र में ऐसी स्कूल की तलाश करें जहां अल्प सुविधाप्राप्त विद्यार्थी पढ़ते हों।
2. स्कूल में कम से कम 400 विद्यार्थियों पढ़ते हों एवं पुस्तकालय उपलब्ध न हो।
3. स्कूल का परिसर पक्के रूप से बना हुआ हो।
4. स्कूल के संचालक और प्रबंधक की लिखित अनुमति प्राप्त करें।

Implementation

1. स्कूल में कमरे की उपलब्धता हो तो सम्पूर्ण कमरा ही पुस्तकालय में परिवर्तित किया जाए। पुस्तकालय के भीतर अलमारियां या रैक बनवाए जाएं तथा पढ़ने और बैठने हेतु मेज तथा कुर्सियों भी अनुदानित की जाए। यदि किसी कारण से पूरा कमरा उपलब्ध न हो तो स्थान उपलब्धता के अनुसार जितनी हो सके उतनी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाए।
2. पुस्तकालय की सफलता काफी हद तक पुस्तकों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के उचित चयन पर निर्भर करती है। पुस्तकालय निर्माण के साथ–साथ उसमें सही पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जाए। शैक्षिक पुस्तकें न होकर, कहानियां, कॉमिक्स, लेख एवं प्रेरक पुस्तकें आदि उपलब्ध कराई जाए। क्षेत्र की अपेक्षानुसार स्थानीय भाषा की किताबें भी अवश्य उपलब्ध कराई जाए।
3. यथासंभव पुस्तकें नई अथवा नवीन अवस्था में हो। सभी पुस्तकों के प्रथम पृष्ठ पर आपकी शाखा की seal लगाई जाए।
4. पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का सूचीबद्ध रजिस्टर रखा जाए। अपेक्षानुसार पुस्तकों और पत्रिकाओं की संख्या में वृद्धि भी की जा सकती है।
5. पुस्तकालय के बाहर एवं भीतर प्रिंटेड़ बोर्ड अवश्य लगाएं। बोर्ड का प्रारूप एवं Project Logo वेबसाइट पर उपलब्ध है।
6. शाखा मंडल के प्रतिनिधि सदस्य स्कूल की लाइब्रेरी का नियमित निरीक्षण और सार–सम्भाल करते रहें।

Inauguration

1. अपने क्षेत्र के राजनीतिक/सामाजिक विशिष्ट महानुभावों से कार्यक्रम का उद्घाटन अवश्य कराएं।
2. उद्घाटन के पूर्व अपने क्षेत्र में Press Conference या Press Release करते हुए पत्र–पत्रिकाओं में प्रचार–प्रसार अवश्य कराएं।
3. बच्चों में पढ़ने की रुचि जागृत करने की प्रेरणा दें। शिक्षकों को भी बच्चों का रुझान पुस्तकालय की ओर कराने की प्रेरणा दें।
4. उद्घाटन से 15 दिन पूर्व संयोजिका को सूचना अवश्य दें।
5. उद्घाटन पश्चात् पत्र–पत्रिकाओं में उपरोक्त कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार अवश्य कराएं।
6. स्कूल के संचालक और प्रबंधक से लिखित Appreciation Letter अवश्य प्राप्त करें।

अधिक जानकारी हेतु

श्रीमती सुमन नाहटा मो. 98188 54120 से सम्पर्क करें।

यह कार्य 31 दिसम्बर 2022 से पूर्व अवश्य संपादित करें।

'आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर' प्रारंभ करने के नियम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित मानव सेवा का एक उपक्रम 'आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर' आज विभिन्न स्थानों पर अभातेममं के निर्देशन में चलाए जा रहे हैं। जो शाखा मंडल नए 'फिज़ियोथेरेपी सेन्टर' खोलने के इच्छुक हैं, वे निम्न नियमों की अनुपालना करते हुए अभातेममं से पूर्व स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें :–

1. नए फिज़ियोथेरेपी सेन्टर खोलने हेतु अभातेममं द्वारा मशीनें/उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। जिन शाखा मंडल को मशीन/उपकरण की आवश्यकता हो, वे शाखा के letterhead पर लिखित में संयोजिका को सूचित करें।
2. फिज़ियोथेरेपी सेन्टर के लिए लगभग 300 से 400 वर्ग फीट की स्थान उपलब्धता अवश्य हो। यथासंभव सेन्टर ग्राउण्ड फ्लोर में हो या लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध हो। ऐसे सेन्टर उस क्षेत्र में ही खुलवाए जाएं जहां public आसानी से पहुंच सके।
3. फिज़ियोथेरेपी सेन्टर प्रारंभ करने से पूर्व अभातेममं के साथ लिखित एग्रीमेन्ट बनाया जाएगा जिसमें सेन्टर को न्यूनतम 4–5 वर्षों तक चलाने का नियम आवश्यक रूप से होगा।
4. अभातेममं के साथ लिखित एग्रीमेन्ट में वर्तमान कार्यसमिति के समस्त सदस्यों के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।
5. यदि किसी कारणवश शाखा मंडल फिज़ियोथेरेपी सेन्टर नहीं चला पाता है या 4 वर्षों से पूर्व ही इसे बन्द कर देता है, तो शाखा मंडल को अभातेममं द्वार प्रदत्त मशीन स्वयं के खर्च पर लौटानी होगा।
6. शाखा मंडल द्वारा फिज़ियोथेरेपी सेन्टर की त्रैमासिक रिपोर्ट संयोजिका को भेजनी होगी जिसमें पेशेन्ट की संख्या, नाम और प्राप्त शुल्क राशि का विवरण होना चाहिए।
7. क्षेत्र सुविधानुसार पेशेन्ट से न्यूनतम राशि अवश्य लें जिससे कि प्रदत्त सेवाओं की उपयोगिता बनी रहे।
8. फिज़ियोथेरेपी सेन्टर के बाहर पत्थर/कांच/मेटल शीट पर नीचे दिए गए फॉर्मेट का मैटर अवश्य लिखवाना है। इस मैटर की पूर्व स्वीकृति संयोजिका से अवश्य ली जाए। मैटर का साईज स्थान उपलब्धता के अनुसार हो सकता है।
9. उक्त मैटर के अतिरिक्त स्थानीय अध्यक्ष या मंत्री का नाम नहीं लिखवाएं।
11. फिज़ियोथेरेपी सेन्टर की प्रति द्विमासिक रिपोर्ट केन्द्रीय संयोजिका को भेजनी अनिवार्य होगी। फॉर्मेट संयोजिका के पास उपलब्ध रहेगा।
11. फिज़ियोथेरेपी सेन्टर की गति–प्रगति एवं आय–व्यय का विवरण प्रति तीन माह स्थानीय कार्यसमिति में अवश्य बताएं।

अधिक जानकारी हेतु संयोजिका श्रीमती बिमला दूगड़ मो. 9314517737 से सम्पर्क करें

'महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर' हेतु मशीन/उपकरण के सौजन्यकर्त्ता

Pioneer Embroideries Ltd., Mumbai

जेठमल जीवराज सेखानी 'एकता' (बीदासर)

श्रीमती बिमलाजी श्रीमती निधिजी सेखानी

बोर्ड का मैटर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
द्वारा निर्देशित
आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर
संचालनकर्त्ता : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल
शाखा .....
सौजन्य : Pioneer Embroideries Ltd., Mumbai
जेठमल जीवराज सेखानी 'एकता' (बीदासर)
दिनांक .....

बोर्ड का मैटर

* जिन शाखाओं के पूर्व में उद्घाटित फिज़ियोथेरेपी सेन्टर अब संचालित नहीं हो रहे हैं, वे त्वरित संयोजिका को सूचित करें।
* जो शाखाएं फिज़ियोथेरेपी सेन्टर का संचालन कर रहे हैं एवं नए सेन्टर का उद्घाटन करना चाहते हैं, उन शाखाओं को वर्तमान में संचालित फिज़ियोथेरेपी सेन्टर के जुलाई से दिसम्बर 2022 तक के पूर्ण विवरण (वीडियो, पेशेन्ट तालिका, आय–व्यय तालिका, कुल मुनाफा–नुकसान आदि) संयोजिका को प्रेषित करने अनिवार्य होंगे।

जुलाई माह की रूपांतरण शिल्पशाला

जानें समझें और करें प्रतिक्रमण
न हो हमसे फिर कोई अतिक्रमण

.... *The doctrine of atonement* ...

प्रतिक्रमण क्या

प्रतिक्रमण दो शब्दों का संयोजन है :

'प्र' = वापसी

'अतिक्रमण' = उल्लंघन

शाब्दिक अर्थ है, उल्लंघन से लौटना। पीछे मुड़कर स्वयं को देखने का ईमानदार प्रयत्न है प्रतिक्रमण।

विभाव से स्वभाव में आना = प्रतिक्रमण

वर्तमान के आइने में अतीत और भविष्य को देखते हुए कल क्या थे और कल क्या बनना है, इसका सही निर्णय लेकर नए सफर का प्रारम्भ कर सकते हैं।

अशुभ योग से शुभ योग में जाने का नाम प्रतिक्रमण है, अर्थात् negative से positive की ओर जाना प्रतिक्रमण है। विचार, वचन और वर्तन द्वारा हम कहां-कहां out of order हुए हैं, उसे जानना और re-order में लाना प्रतिक्रमण है।

अशुभ योग out of order → प्रतिक्रमण → शुभ योग re-order

Stages of Self-Realisation

प्रतिक्रमण में आवश्यक सूत्र के छः अध्याय हैं - सामायिक (समभाव की साधना), चतुर्विंशतिस्तव (24 तीर्थंकरों का स्मरण), वंदना (चारित्रात्माओं को), प्रतिक्रमण (आत्मनिरीक्षण और पश्चाताप), कायोत्सर्ग (आत्मा का ध्यान) और प्रत्याख्यान (त्याग)।

Why प्रतिक्रमण

❖ Businessmen रोज बही-खाते मिलाते हुए profit and loss account को manage करते हैं, तभी वह successful business कर सकते हैं। वैसे ही मन, वचन और काय की क्रियाओं को tally करने से ही हमारी soul powerful हो सकती है।

❖ जब हमारे कपड़े गंदे हो जाते हैं तब हम उन्हें साफ करके ही इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसी तरह कषाय लिप्त आत्मा का भी शुद्धिकरण करने की क्रिया प्रतिक्रमण है, जिससे आत्मा पर आई मलीनता और कलुषता का कोहरा हटाया जा सके।

✼ क्रिया चर्या और सोच-विचार में परिवर्तन नहीं तो प्रतिक्रमण कैसा ?

✼ पुनरावर्तन या repetition of सूत्र या मात्र कण्ठस्थ कर विधिपूर्वक प्रतिक्रमण करने से जीवन परिवर्तन सम्भव है ?

✼ पुनरावर्तन हर दिन, हर पक्खी, हर वर्ष करते हैं... अपेक्षित है साथ में परिवर्तन। वह तभी सम्भव है जब ध्यान अतिक्रमण पर हो पुनरावर्तन पर नहीं।

A Process of Purification

प्रतिक्रमण केवल उपासना नहीं, अपितु शुद्धिकरण की क्रिया भी है। It's a process of purification of soul which can improvise the quality of life. किसी भी क्रिया को करने से पहले उसे जानना जरूरी है, पर हम जानने पर ध्यान कम और करने पर ध्यान अधिक देते हैं।

प्रतिक्रमण को पहले जानें-समझें और फिर आचरण में लाएं।

This can bring a real change in life.

जहां feel होता है, वहां फल मिलता है।

प्रतिक्रमण भी यदि feel करके किया जए तो अनेक समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाएगी।

प्रतिक्रमण - a powerful technique to forgive & forget

आचार्य भद्रबाहु स्वामी ने काल की दृष्टि से प्रतिक्रमण के तीन भेद बताए हैं :-

- Past में हुई गलतियों की माफी या प्रायश्चित्त।
- Present में हो रही गलतियों को संवर द्वारा रोकना।
- Future के दोषों को प्रत्याख्यान से रोकना।

Process of Pratikraman →
- Good Relations
- Good Health
- Mental Peace
- Emotional Balance

Ask yourself - Did you ?

प्रतिक्रमण करने के पश्चात् स्वयं से अवश्य पूछें ?

Did you discover the change in you after Pratikraman ?

☐ Yes ☐ No

Did you evaluate your routine in process of Pratikraman ?

☐ Yes ☐ No

Did you try to evaluate the wrong thought process you underwent during Pratikraman ?

☐ Yes ☐ No

Did you try to delete all the wrong thoughts in your mind Pratikraman ?

☐ Yes ☐ No

Did you feel light, relaxed and clean after Pratikraman ?

☐ Yes ☐ No

इस स्टेशन से मिली खुराक को प्रतिदिन आचरण में लाने का प्रयास करें। इसी के साथ रूपांतरण एक्सप्रेस अपने स्टेशन 'तेजः' से आगे बढ़ेगी और अगले माह अगले स्टेशन की ओर...

शुभम् अस्तु!!!

DESIGNED BY NEELAM SETHIA

कन्या मंडल

आहट... उजले कल की संभावनाएं स्वर्णिम पल की

हर बदलते मौसम के साथ प्रकृति अपना रूप बदलती है। वर्षा ऋतु के आगमन पर पेड़, पौधे अपनी संपन्नता से झूम उठते हैं एवं जीव–जंतुओं की भरमार हो जाती है। हवा, पानी, मिट्टी एवं वनस्पति के जीव तेजी से बढ़ने लगते हैं। जैन समाज के लिए वर्षावास में चार माह चातुर्मास के रूप में माने जाते है। इस समय विशेष तप,जप, त्याग के रूप में समस्त श्रावक समाज धर्म यज्ञ में अभिस्नात हो जाते हैं। चातुर्मास पर्वों की शृंखला है। चातुर्मास प्रारंभ होता है आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन जिसे गुरु पूर्णिमा भी कहा जाता है। तेरापंथ परंपरा में इस दिन को तेरापंथ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। हम सब भी इन चार महीनों में अध्यात्म की गंगा में डुबकी लगा कर निर्जरा के कुछ मोती एकत्रित कर लें।

करणीय कार्य

मौसम आया धर्म आराधना का, तप संयम की साधना का

:: इस माह सभी कन्याएं प्रतिदिन निम्न त्याग करने का लक्ष्य रखें ::

* प्रतिदिन नवकारसी अथवा पोरसी
* प्रतिदिन एक मुहूर्त (48 मिनट) का मौन
* प्रतिदिन नवकार की एक माला
* अष्टमी और चतुर्दशी को सचित्त, जमीकंद का त्याग
* प्रत्येक शनिवार सामायिक

आयोजन करें

Group Discussion का जिसमें जैन धर्म में निहित छोटे–बडे संकल्प–त्याग के पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अनछुए–अनजाने आध्यात्मिक दृष्टिकोण पर चर्चा करें। इस चर्चा से नवनीत निकालते हुए जैन धर्म में त्याग–संयम के पीछे छिपे रहस्यों को खोजने का प्रयास करें। ऐसा करने से आप त्याग करने के महत्त्व से भलीभांति परिचित हो पाएंगे और स्वयं को अध्यात्म के रंग में रंग पाएंगे।

अर्चना भण्डारी

कन्या मंडल प्रभारी, मो. 98100 11500

तेरापंथ कन्या मंडल राष्ट्रीय अधिवेशन

6-7-8 अगस्त 2022 (छापर-लाडनूं)

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 6–7–8 अगस्त 2022 को छापर–लाडनूं में समायोजित है। अपने जीवन के उच्च निर्माण में एक कदम और आगे बढ़ें, इसी शुभ भावना के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथी कन्याओं को कन्या अधिवेशन में आमंत्रित करता है। अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में संभागी बन इसे ऐतिहासिक बनाएं।

कन्या अधिवेशन हेतु ध्यातव्य बिन्दु

* बड़े क्षेत्रों से 5 एवं छोटे क्षेत्रों से 3 कन्याएं ही भाग ले सकती है।
* प्रत्येक क्षेत्र से कन्या मंडल प्रभारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

संभागियों हेतु ध्यानार्थ

01. अधिवेशन हेतु आवास व्यवस्था 6 अगस्त 2022 प्रात: 6 बजे से 8 अगस्त 2022 मध्यान्ह 2 बजे तक लाडनूं में उपलब्ध रहेगी।
02. 6 अगस्त 2022 को प्रात: 6 बजे से मध्यान्ह 1 बजे तक संभागी सीधे लाडनूं ही पहुंचें।
03. 6 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 1 बजे के उपरान्त आने वाले संभागी सीधे छापर पहुंचें।
04. 6 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 1 बजे के उपरान्त छापर पहुंचने वाले संभागी अपना सामान महिला मंडल भवन में रख सकते हैं।
05. संभागी गूगल फॉर्म भरकर अतिशीघ्र प्रेषित करें। Link : https://forms.gle/F2PVxrFNUgvyY2fg9. संभागियों के आगमन एवं प्रस्थान की तारीख, समय, संभागी संख्या एवं अन्य विवरण भरना अनिवार्य है।
06. शुल्क प्रति संभागी : ₹ 500
07. प्रत्येक कन्या शाखा मंडल के साथ शाखा कन्या प्रभारी की उपस्थिति अनिवार्य है।
08. सम्पूर्ण अधिवेशन में कन्याओं को कन्या मंडल की यूनिफॉर्म में तथा कन्या मंडल प्रभारी को महिला मंडल के यूनिफॉर्म में रहना अनिवार्य है।
09. अपना मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
10. ओढ़ने–बिछाने का सामान एवं सामायिक उपकरण साथ लेकर पधारें।
11. 8 अगस्त 2022 को मध्यान्ह 2 बजे पश्चात् लाडनूं से अपने प्रस्थान का कार्यक्रम सुनिश्चित करें।

अन्य जानकारी हेतु अधिवेशन संयोजिका से सम्पर्क करें :

श्रीमती सरिता डागा, मो. 94133 39841

श्रीमती अर्चना भण्डारी, मो. 98100 11500

अखिल भारतीय तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा तत्त्वज्ञान पर आधारित

45 English Pictorial Videos

तत्त्वज्ञान की ओर युवा पीढी एवं भावी पीढ़ी का ध्यानाकार्षण करने तथा उन्हें सुगमता से तत्त्वज्ञान समझाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने युगानुरूप सरल एवं सुगम भाषा में वीडियो बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। तत्त्वज्ञान के विभिन्न बोलों/थोकड़ों पर आधारित अंग्रेजी में सरल तरीके से वीडियो बना कर प्रसारित करने के लक्ष्य से कन्या मंडल की कन्याओं को तत्त्वज्ञान पर आधारित वीडियो बनाने का कार्य दिया गया।

तत्त्वज्ञान के अन्तर्गत पच्चीस बोल व कालूतत्त्वशतक के बोलों पर आधारित English Pictorial Videos Competition का आयोजन किया गया एवं अति प्रसन्नता है कि इस प्रतियोगिता में देश भर से 45 वीडियो बनकर आए हैं। कन्याओं के इस महनीय श्रम हेतु साधुवाद।

संयोजिका श्रीमती रमण पटावरी के अथक श्रम एवं श्रीमती जया बोथरा (पूर्वांचल), श्रीमती प्रेम सेखानी (नोएडा), श्रीमती अनुपम गुप्ता (पूर्वांचल), श्रीमती राजश्री डागा (चेन्नै)का script checking में सहयोग प्राप्त हुआ, तदर्थ आभार। तकनीकी सहयोग हेतु श्रीमती निधि सेखानी का हार्दिक आभार।

इन वीडियो में निम्न थोकड़ों का विवेचन किया गया है :

पच्चीस बोल का थोकड़ा

बोल 1 – गति चार : यशवन्तपुर कन्या मंडल
बोल 2 – जाति पांच : हैदराबाद कन्या मंडल
बोल 3 – काय छः : कटक कन्या मंडल
बोल 4 – इन्द्रियां पांच : पूणे कन्या मंडल
बोल 5 – पर्याप्ति छः : पूर्वांचल कोलकाता कन्या मंडल
बोल 6 – प्राण दस : गुवाहाटी कन्या मंडल
बोल 7 – शरीर पांच : इन्दौर कन्या मंडल
बोल 8 – योग पंद्रह : कांकरोली कन्या मंडल
बोल 9 – उपयोग बारह : उत्तर हावड़ा कन्या मंडल
बोल 10 – कर्म आठ : बालोतरा कन्या मंडल
बोल 11 – गुणस्थान चौदह : अहमदाबाद कन्या मंडल
बोल 12 – पांच इन्द्रियों के तेईस विषय : साउथ हावड़ा कन्या मंडल
बोल 13 – मिथ्यात्व के दस प्रकार : वापी कन्या मंडल
बोल 14 – नौ तत्त्व के एक सौ पंद्रह भेद :–
जीव तत्त्व के भेद : बारडोली कन्या मंडल
अजीव तत्त्व के 14 भेद : मदुरै कन्या मंडल
पुण्य तत्त्व के 9 भेद : सफाले कन्या मंडल
पाप तत्त्व के 18 भेद : पचपदरा कन्या मंडल
आश्रव तत्त्व के 20 प्रकार : भीलवाड़ा कन्या मंडल
संवर तत्त्व के 20 भेद : रायपुर कन्या मंडल
निर्जरा तत्त्व के 12 भेद : मध्य कोलकाता कन्या मंडल
बंध तत्त्व के 4 भेद : नोएडा कन्या मंडल
मोक्ष तत्त्व के 4 भेद : साउथ कोलकाता कन्या मंडल
बोल 15 – आत्मा आठ : पेटलावद कन्या मंडल
बोल 16 – दंडक चौबीस : पाली कन्या मंडल
बोल 17 – लेश्या छः : हनुमंतनगर कन्या मंडल
बोल 18 – दृष्टि तीन : उधना कन्या मंडल
बोल 19 – ध्यान चार : उदयपुर कन्या मंडल
बोल 21 – राशि दो : दिल्ली कन्या मंडल
बोल 22 – श्रावक के बारह व्रत : सिलीगुड़ी कन्या मंडल
बोल 24 – भांगा 49 : सरदारशहर कन्या मंडल
बोल 25 – चारित्र पांच : श्रीडूंगरगढ़ कन्या मंडल

कालूतत्वशतक थोकड़े के 4 वर्ग के 101 बोल

प्रथम वर्ग बोल 4 – जीव के तीन–तीन प्रकार : राजसमन्द कन्या मंडल
प्रथम वर्ग बोल 10 – द्रवेंद्रिय भावेंद्रिय : पीलीबंगा कन्या मंडल
प्रथम वर्ग बोल 19 – मिथ्यात्व के पांच प्रकार : चुरू कन्या मंडल
प्रथम वर्ग बोल 21 – कषाय के 16 प्रकार : मुम्बई कन्या मंडल
प्रथम वर्ग बोल 24 – नोकषाय के 9 प्रकार : गदग कन्या मंडल
द्वितीय वर्ग बोल 8 – कर्म के आठ दृष्टांत : इचलकरंजी कन्या मंडल
द्वितीय वर्ग बोल 19 – अंतराल गति : गंगाशहर कन्या मंडल
द्वितीय वर्ग बोल 23 – संहनन के छह प्रकार : कोयम्बत्तूर कन्या मंडल
तृतीय वर्ग बोल 22 – धर्म की पहचान के पांच प्रकार : सूरत कन्या मंडल
चतुर्थ वर्ग बोल 12 – मतिज्ञान के चार प्रकार : काठमांडू कन्या मंडल
चतुर्थ वर्ग बोल 13 – श्रुतज्ञान के चौदह प्रकार : ठाणे सिटी कन्या मंडल
चतुर्थ वर्ग बोल 17 – प्रत्याख्यान के दस प्रकार : चेन्नै कन्या मंडल
तृतीय वर्ग बोल 24 – धर्म के दो प्रकार : धुबड़ी कन्या मंडल
गति चार : चिकली कन्या मंडल

WISDOM WEDNESDAY

अभातेममं द्वारा स्वाध्याय की दृष्टि से ABTMM Facebook Page पर प्रत्येक माह के प्रत्येक प्रथम व तृतीय बुधवार को Wisdom Wednesday Quiz का आयोजन किया जा रहा है।

Wisdom Wednesday Quiz के अब तक चौदह संस्करण आ चुके हैं। प्रत्येक संस्करण में स्वाध्याय प्रेमी भाई–बहनों को नवीन विषय के साथ जोड़ने का प्रयत्न किया गया है।

सोलह सतियां, तीर्थंकर परंपरा, जीव–अजीव, श्रमण महावीर, आचार्य भिक्षु और तेरापंथ, कर्म, अठारह पाप, आचार्य महाश्रमण आदि विविध विषयों के साथ आयोजित इस क्विज़ में 2500 से 3000 संभागी प्रति संस्करण जुड़े और लगभग 250 शाखा मंडलों की सक्रियता रही। इस क्विज़ में उत्साह के साथ जुड़े सभी संभागियों व शाखा मंडलों को साधुवाद। प्रथम से चतुर्दश संस्करण के आधार पर घोषित परिणाम इस प्रकार हैं:

Diamond Winner

Urmila Surana, Bengaluru

Gold Winners :

✻ Prasanna Bhansali, Siliguri ✻ Archana Soni, Kankroli
✻ Premlata Sethia, Bhubaneswar ✻ Meena Pagariya, Kankroli
✻ Gheveri Devi Baid, Guwahati ✻ Kavita Kothari, Cuttack
✻ Sunita Pagariya, Kankroli ✻ Manisha Baid, Surat
✻ Khushal Dhelariya, Balotra ✻ Saroj Chajjed, Delhi
✻ Babita Praveenkumar, Bengaluru ✻ Sushila Darla, Chennai
✻ Anisha Babel, Vijaynagar Bengaluru

Silver Winners

✻ Sangeeta Kothari, Ahmedabad ✻ Indira Pagariya, Kankroli
✻ Chanchal Dugar, Jaipur ✻ Munni Kothari, Churu
✻ Prem Sekhani, Noida ✻ Chandra Shah, Ahmedabad
✻ Saroj Sethia, Kalu ✻ Arti Dhariwal, Kathmandu
✻ Santosh Bhansali, Surat ✻ Neeta Daga, Hyderabad
✻ Manju Duggar, Hyderabad ✻ Beena Banthia, Jaipur
✻ Premlata Bapana, Kandiwali ✻ Manju Luniya, Faridabad

Gold Winners from ABTMM

✻ Santosh Vedmutha, Hubballi ✻ Manju Bhutoria, Delhi

इस क्विज़ से जुड़े सभी संभागी आगे पुनः जब Wisdom Wednesday Quiz II शुरू होगा, पूर्ण उत्साह के साथ जुड़ेंगे, ऐसा विश्वास है।

श्रीमती जयश्री जोगड़ – श्रीमती शालिनी लुंकड़
संयोजिकाद्वय

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2022

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक महिला अधिवेशन में एक महिला और एक कन्या को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार तेरापंथ धर्मसंघ की प्रतिभा सम्पन्न एक महिला एवं एक कन्या को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के अन्तर्गत ₹51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। समस्त शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र से इस पुरस्कार हेतु प्रविष्टियां भेजें। इसके लिए समस्त शाखाएं अपनी जागरूकता का परिचय दे। अन्तिम निर्णय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अर्हताएं

- कला, शिक्षा, विज्ञान, सेवा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला/कन्या हो।
- चरित्रनिष्ठ एवं संघनिष्ठ मनोवृत्ति हो।

पुरस्कार प्रविष्टि हेतु शाखाओं के ध्यानार्थ

- प्रत्येक शाखा एक महिला और एक कन्या का नाम ही इस पुरस्कार हेतु प्रस्तावित कर सकता है।
- आपकी शाखा द्वारा प्रस्तावित महिला एवं कन्या के प्रस्ताव को उन व्यक्ति की फोटो सहित सम्पूर्ण परिचय (बॉयोडाटा) शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने शाखा के letterhead पर लिखित में भेजें। इस प्रस्ताव में अध्यक्ष एवं मंत्री सहित अन्य तीन पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अनिवार्य रूप से होने चाहिए।
- प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2022 रहेगी। बाद में प्राप्त प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं की जाएगी।
- प्रविष्टियां सेलम स्थित अध्यक्षीय कार्यालय ही भेजें।
- शाखा उन्हीं महिला/कन्या की प्रविष्टियां भेजें जो 17 सितम्बर को छापर में आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में उपस्थित होकर यह पुरस्कार स्वीकार कर सके।

तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन फाइनल परीक्षाएं एवं शिविर : 18–19 सितम्बर 2022 – छापर में

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन के अन्तिम वर्ष की फाइनल परीक्षाएं एवं शिविर आगामी 18–19 सितम्बर 2022 को छापर में समायोजित है। विद्यार्थियों को 18 सितम्बर 2022 को मध्यान्ह 2 बजे पहुंचना है और 19 सितम्बर 2022 को मध्यान्ह में प्रस्थान करना है। विस्तृत जानकारी यथाशीघ्र संप्रेषित की जाएगी।

'भावना सेवा' में सेवार्थी

भावना सेवा

2 अप्रैल से 8 अप्रैल – बोरज

श्रीमती संगीता परमार, श्रीमती कंचन परमार, श्रीमती नीलम परमार, श्रीमती लीला परमार, श्रीमती रेखा परमार, श्रीमती प्रेमा परमार

9 अप्रैल से 15 अप्रैल – हिसार

श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती रेखा जैन, श्रीमती रजनी जैन, श्रीमती अनिता जैन

16 अप्रैल से 22 अप्रैल – विजयनगरम्

श्रीमती रीटा आंचलिया, श्रीमती प्रेमलता आंचलिया, श्रीमती शांति डागा, श्रीमती अनिता बोथरा

23 अप्रैल से 29 अप्रैल – अहमदाबाद

श्रीमती लाड़ बाफना, श्रीमती बबीता कोठारी, श्रीमती मंजु लुंकड, श्रीमती रेखा धुप्या, श्रीमती सुमन कोठारी

30 अप्रैल से 6 मई – दक्षिण हावड़ा

श्री सुखमल सामसुखा, श्रीमती पाना सेठिया, श्रीमती बेबी सिरोहिया

7 मई से 11 मई – मुम्बई (घाटकोपर)

श्रीमती लीला हिरण, श्रीमती मीनाक्षी मादरेचा, श्रीमती लाड़ कोठारी, श्रीमती कमला चोरड़िया, श्रीमती निर्मला छाजेड़

12 मई से 17 मई – मुम्बई (चेम्बूर)

श्रीमती अंजु कोठारी, श्रीमती साधना कोठारी, श्रीमती मीना मेहता, श्रीमती मीरा धाकड़

17 मई से 21 मई – मुम्बई (अंधेरी)

श्रीमती शशि लोढ़ा, श्रीमती मंजु बोकाड़िया, श्रीमती सरला लिंगा, श्रीमती ललिता भुतोड़िया

22 मई से 26 मई – मुम्बई (ऐरोली)

श्रीमती लाड़ सिंघवी, श्रीमती पारस लोढ़ा, श्रीमती कल्पना बोहरा, श्रीमती रेखा मोतावत, श्रीमती आजाद कोरडिया

27 मई से 30 मई – मुम्बई (सांताक्रूज)

श्रीमती प्रेमा भरसारिया, श्रीमती वनीता मेहता, श्रीमती लीला मेहता, श्रीमती प्रेमा लोढ़ा, श्रीमती चन्द्रा बेताला

31 मई से 3 जून – मुम्बई (कोलीवाड़ा)

श्रीमती तरुणा कोठारी, श्रीमती लीला सोनी, श्रीमती अनिता मेहता, श्रीमती सीमा सोनी, श्रीमती नीमा सोनी

4 जून से 10 जून – नोखा

श्रीमती पुष्पा पारख, श्रीमती मंजु बैद, श्रीमती जयश्री भूरा, श्रीमती नीतू नाहटा, श्रीमती कुसुम छाजेड़

11 जून से 17 जून – गांधीनगर बेंगलुरु

श्रीमती शर्मिला भंसाली, श्रीमती कान्ता सालिया, श्रीमती जयश्री रायसोनी, श्रीमती सुशीला खांटेड़, श्रीमती सुशीला आंचलिया

18 जून से 24 जून – पीलीबंगा

श्रीमती विनोद छाजेड़, श्रीमती हेमलता डाकलिया, श्रीमती ममता छल्लाणी, श्रीमती इचरज चोपड़ा, श्रीमती प्रीति डाकलिया

25 जून से 1 जुलाई – सुजानगढ़

श्रीमती सुनिता मालू, श्रीमती लिछमा डोसी, श्रीमती अंजू घोड़ावत

सभी सेवार्थी मंडल एवं बहनों को हार्दिक साधुवाद।

संयोजकद्वय श्रीमती सरिता डागा एवं श्रीमती निधि सेखानी के श्रम को साधुवाद।

तेममं विजयनगर बेंगलुरु द्वारा प्रबुद्ध महिला सम्मेलन

दि. 5 जून 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में कर्नाटक स्तरीय प्रबुद्ध महिला '360 डिग्री इंपेक्ट' सेमिनार मुनिश्री अर्हत्कुमारजी एवं मुनिश्री रश्मिकुमारजी के पावन सान्निध्य में तेममं विजयनगर बेंगलुरु द्वारा आयोजित हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में परामर्शक श्रीमती लता जैन, रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती सरिता गोठी, आदि की गरिमामय उपस्थिति रही। मुनिवृन्द के नमस्कार महामंत्र तथा कन्या मंडल द्वारा आदिनाथ भगवान की स्तुति से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रेम भंसाली ने समागत सदस्यों का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ के सह–सचिव श्री विक्रम जोशी, मनोचिकित्सक एवं लाइफ कोच डॉ. शिखा शर्मा ऋषि, लेखक एवं मोटिवेटर श्रीमती श्रेया कृष्णा, दक्षिण भारत राष्ट्रमत के प्रधान संपादक श्री श्रीकांत पराशर आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कार्यशाला के प्रतीक चिन्ह का अनावरण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। दक्षिण भारत राष्ट्रमत मीडिया पार्टनर की भूमिका बखूबी निभाई।

प्रथम सत्र के शुभारंभ में परामर्शक श्रीमती लता जैन ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन किया। राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती वीणा बैद ने कार्यशाला की रूपरेखा तथा परिकल्पना की प्रस्तुति दी।

मुनिश्री रश्मिकुमारजी ने गीतिका का संगान किया। प्रमुख वक्ता श्रीमती शिखा शर्मा ऋषि का परिचय श्रीमती कोमल भंसाली ने दिया। श्रीमती शिखा शर्मा ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के सर्वांगीण विकास की प्रेरणा दी।

मुनिश्री अर्हत्कुमारजी ने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि महिलाएं अपने कुशल चिंतन, सजगता तथा विवेकशीलता से घर परिवार के साथ समाज में स्वस्थ संस्कारों का सिंचन कर सकती है। वृहद् बेंगलुरु तेममं द्वारा नारी सम्मान में गीतिका की प्रस्तुति दी गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया का परिचय स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती महिमा पटवारी ने दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य के माध्यम से संदेश दिया कि बेटे और बेटी को लेकर समाज में जो दुराव की भावना पनप रही है, उससे हम किस प्रकार बाहर निकल बेटे–बेटी के बीच संतुलन पैदा कर सकते हैं।

श्री विक्रम जोशी का परिचय सुश्री प्रिया बाबेल ने दिया। श्री जोशी ने कन्या भ्रूण हत्या की आलोचना करते हुए बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का संदेश दिया। लेखक एवं मोटीवेटर श्रीमती श्रेया कृष्णन का परिचय सुश्री खुशी गांधी ने दिया। श्रीमत श्रेया ने भागदौड़ वाली जिंदगी में स्वयं के व्यक्तित्व निर्माण के गुर सिखाए। संचालन श्रीमती बरखा पुगलिया ने किया।

द्वितीय सत्र 'टॉक शो' का शुभारंभ प्रेरणा गीत के संगान से हुआ। 'रिश्तों की सामंजस्यता' पर पेनल द्वारा परिचर्चा के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों का समाधान श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती नीलम सेठिया एवं श्रीमती वीणा बैद ने बहुत ही सुंदर तरीके से दिया। श्रीमती प्रेम भंसाली, रा.का.स. श्रीमती लता जैन, श्रीमती सुधा नौलखा, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती सरिता गोठी भी उपस्थित थे।

तृतीय सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए शाखा सदस्यों को प्रत्येक गतिविधि से जुड़ने की प्रेरणा दी। श्रीमती सुधा नौलखा ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती सुमित्रा बरडिया ने किया। कर्नाटक की शाखाओं से पधारे हुए सभी पदाधिकारीगण का सम्मान स्थानीय मंडल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में बेंगलुरु एवं कर्नाटक के 17 क्षेत्रों से पधारी हुई लगभग 400 बहनों ने भाग लिया।

पालघर में 'परचम : केसरिया शक्ति का' कार्यशाला

दि. 10 अप्रैल 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं पालघर द्वारा 'केसरिया पंचम शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश तातेड़, रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती रचना हिरण की गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय तेममं द्वारा मंगलाचरण के पश्चात् स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनोखा बदामिया ने सभी का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बताया कि कैसे केसरिया परिधान के परचम को अपने दायित्व, धैर्य, एवं वात्सल्य से लहरा सकते हैं। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने महिलाओं के शौर्य को सद्कार्यों में लगाने को कहा।

रा.का.स. श्रीमती कुमुद कच्छारा ने शक्ति को संवर्धित करते हुए सृजनात्मक कार्यों में लगाने को कहा। क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया ने संगठित महिला शक्ति की जरूरत को बताया। रा.का.स. श्रीमती रचना हिरण ने भी सारगर्भित वक्तव्य दिया। खुले मंच में बहनों की जिज्ञासा का समाधान किया गया। कन्या मंडल द्वारा 'जागो कन्याओं' पर सुंदर प्रस्तुति दी गई।

सभाध्यक्ष श्री नरेश राठौड़, श्री प्रकाश बाफना, एसोसिएट सदस्य श्रीमती संगीता बाफना आदि ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। श्री देवीलाल सिंघवी, श्री मीठालाल सिंघवी, श्री सुखलाल तलेसरा, श्रीमती ममता परमार, श्रीमती दाखुबाई आदि ने उपस्थिति दर्ज कराई। संचालन श्रीमती हेमा बाफना और आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती संगीता चपलोत ने किया। कार्यक्रम में दहानू, गोलवाड़ और मनोज आदि से 100 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही।

संस्था का प्रयास
फैले 7500 दिव्यांग बच्चों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश

आजादी के 75वें वर्ष पर आयोजित प्रोजेक्ट 'स्नेहम्' से देश के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की रोशनी देने का सार्थक प्रयास कर रहे हैं हमारे शाखा मंडल। जून माह में शाखा मंडल द्वारा अंध–मूक–बधिर बच्चों हेतु प्रदत्त पाठ्य सामग्री की सूची :–

शाखा	स्कूल/आश्रम का नाम	सामग्री वितरित	गणमान्य उपस्थिति
राजसमन्द	जागृति उच्च माध्यमिक विद्यालय	प्रिंटर, वाईफाई	राजसमंद चेयरमैन गह अशोक टाक, रा.का.स. डॉ नीना जी कावड़िया
पूर्वांचल कोलकाता	कोलकाता डेफ एण्ड डम्ब स्कूल	4 बोर्ड	श्री कार्तिक चंद्र मन्ना चेयरमैन सर्व शिक्षा मिशन, स्कूल प्रिंसिपल श्री समीर सामंत
साउथ कोलकाता	साइलेंस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेफ एंड डम्ब पीपल	कम्प्यूटर	इंस्टिट्यूट सेक्रेटरी श्रीमती शर्मीला भट्टाचार्य, श्रीमती अमिता नस्कर –जॉइंट सेक्रेटरी, श्री तपन पाठक, श्रीमती नीता नाहटा, रा.का.स. श्रीमती बबीता भुतोड़िया, श्रीमती अनुपमा नाहटा एवं एसोसिएट सदस्य श्रीमती संगीता बाफ़ना
मुम्बई (चेम्बुर)	श्री कमलाबेन मेहता दादर स्कूल	15 IP Slate, 15 Abacus	प्रिंसिपल श्रीमती वर्षा जाधव, चेयरपर्सन आशाबेन मेहता, ट्रस्टी श्री मधुकांत पुनमिया
मुम्बई (सांताक्रूज)	श्री नाकोडा भैरव कर्णबधिर विद्यालय	Television	
अहमदाबाद	अंध कन्या प्रकाश छात्रावास	35 Memory Cards	छात्रावास इंचार्ज श्रीमती अरुणा बेन, प्रिंसिपल श्रीमती दीपिका राठौड़ अभातेयुप पूर्व रा.का.स. श्री अनिल कोठारी

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध नीवी

जून माह में नीवी में सहभागी बनने वाले क्षेत्र

01 जून – राउरकेला	–03	09 जून – मनेन्द्रगढ़	–15	17 जून – सिलवासा	–01	25 जून – कोठारिया	–01
02 जून – सेमड़	–09	10 जून – रावलिया कलां	–31	18 जून – रतनगढ़	–40	26 जून – कटिहार	–09
03 जून – तोशाम	–06	11 जून – उचाना मण्डी	–06	19 जून – कोळिकोड़	–06	27 जून – टॉलीगंज	–03
04 जून – सवाई माधोपुर	–15	12 जून – हुब्बल्ली	–30	20 जून – बिलासीपाड़ा	–01	28 जून – कोप्पल	–15
05 जून – कुम्बकोणम्	–02	13 जून – पड़ासली	–01	21 जून – दीमापुर	–03	29 जून – जोरावरपुरा	–41
06 जून – बिनोल	–04	14 जून – उत्तरपाड़ा	–09	22 जून – राजसमन्द	–02	30 जून – नीमच	–09
07 जून – सरदारशहर	–160	15 जून – दार्जिलिंग	–09	23 जून – बरवाला	–04		
08 जून – सिंधीकेला	–03	16 जून – रायगंज	–07	24 जून – गोलपाड़ा	–03		

जिन शाखाओं ने अभी तक सहभागिता दर्ज नहीं करवाई है, वे अवश्य अपना नाम संयोजिका के पास आरक्षित करवाएं।

नीवी में तिथि आरक्षित करने हेतु Google Form Link : https://forms.gle/i9i2hmwWTQEHa4oVA (Touch the link to open Google Form)

शाखा मंडल के साधारण सदन

समस्त शाखा मंडल वर्ष 2021–2022 का साधारण सदन
15 जुलाई 2022 से पूर्व अनिवार्य रूप से आयोजित करे।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

जुलाई 2022

सन्दर्भ पुस्तक : धर्म है उत्कृष्ट मंगल (पृष्ठ संख्या 67 से 87)

एक शब्द में उत्तर दें

1. कौन से सन्त को विनम्रता की प्रतिमूर्ति और सेवाभावी की उपमा दी गई ?
2. वैयावृत्तय के कितने प्रकार बताये गये ?
3. सूत्र की वाचना देने वाले को कहते हैं ?
4. कुलों का समुदाय को क्या कहते हैं ?
5. निर्जरा के बारह भेदों में दसवां भेद है ?
6. परिचित और स्थिर विषय पर चिंतन करने को क्या कहते है ?
7. संयोग से संयुक्त होने पर उसके वियोग न होने की चिंता में लीन हो जाना, उसे कहते हैं ?
8. प्रवचन के निर्णय में संलग्न चित्त को कहते हैं ?
9. शरीर और आत्मा के भेद का ज्ञान कहलाता है ?
10. कर्म – व्युत्सर्ग के कितने प्रकार हैं ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. ..... नि: सहायता या निराधारता की अनुभूति न होने देना।
12. आचार्य में तीर्थंकर भी ..... हो जाते हैं।
13. स्वाध्याय ..... का एक प्रयोग है।
14. स्वाध्याय के पांच प्रकार प्रत्येक ..... व प्रशिक्षक के लिए महनीय है।
15. समाधि की प्राप्ति में तीन बाधाएं हैं – उपाधि, आधि, और ..... ।
16. ध्यान में साधक शरीर को स्थिर व ..... करता है।
17. शुभ योग भी एक ..... है।
18. शुक्लध्यान के ..... लक्षण है।
19. संसार–परिभ्रमण का कारण है ..... ।
20. कषाय की मुक्ति ..... के लिए अनिवार्य है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया

मो. 9819418492, Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 जुलाई 2022

Google Form Link : https://forms.gle/CWJnjp728NKKDTbk9

(Click here to go to Google Form)

जून 2022 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. अनासक्ति	02. आयंबिल	03. कायक्लेश	04. अप्रावरण	05. चार
06. दशवैकालिक	07. प्रकारी	08. प्रियधर्मा	09. विनय	10. सात
11. राजा	12. इन्द्रियविजय	13. तेजोमय	14. संयत	15. विनाश
16. अंतर्मुखी	17. चिकित्सा	18. अर्हता	19. पांच	20. अप्रशस्त

जून 2022 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. प्रियंका दूगड़, रायपुर
2. आरती धारीवाल, काठमांडू
3. रूपाली जैन, बोईसर
4. लीला चिप्पड़, लावासरदारगढ़
5. सीमा सियाल, साकीनाका (मुंबई)
6. मुन्नी कोठारी, चुरू
7. मंजू देवी छाजेड़, पचपदरा
8. गीता श्रीमाल, वडोदरा
9. धानीदेवी नाहर, गौरीपुर
10. समता समदड़िया, गुलाबबाग

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

₹2,51,000
श्री रोशनलालजी दिनेशजी
राकेशजी अरविन्दजी पोकरणा
(चिताम्बा – बेंगलुरु)

₹1,00,000
श्री कन्हैयालालजी
विकासकुमारजी बोथरा
(लाडनूं – इस्लामपुर)

₹31,000
श्री बिमलजी
श्रीमती प्रेम भंसाली
श्री प्रतीकजी
श्रीमती शिल्पाजी
भंसाली
(छापर
विजयनगर, बेंगलुरु)

₹31,000
मातुश्री मंजुलादेवी बाफना
की द्वितीय पुण्यस्मृति में
में श्रद्धासुमन
श्री लक्ष्मीलालजी
श्री राजेशजी
श्रीमती श्रेयाजी बाफना
(उधना – सूरत)

₹31,000
तेरापंथ महिला मंडल
पाली
(भावना सेवा)

₹31,000
तेरापंथ महिला मंडल
बालोतरा
(भावना सेवा)

₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, जोधपुर सरदारपुरा (भावना सेवा)
₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, पचपदरा (भावना सेवा)
₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, जसोल (भावना सेवा)
₹21,000	श्री लक्ष्मीपतजी आजादजी अमितजी सुमितजी संचेती, मोमासर–बालोतरा–सूरत (भावना सेवा)
₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, जोधपुर जाटाबास (भावना सेवा)
₹2,100	तेरापंथ महिला मंडल, बायतू (भावना सेवा)

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
का राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
15-16-17 सितम्बर 2022 (छापर-लाडनूं में)

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
आगामी 15–16–17 सितम्बर 2022 को समायोजित है।
छोटे शाखा मंडल से अधिकतम 3 सदस्य और बडे शाखा मंडल से अधिकतम 5 सदस्य संभागी बन सकेंगे।
शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारियों को ही सम्मिलित होने हेतु प्राथमिकता दें।
यदि किसी कारणवश पदाधिकारी नहीं आ सकें तो कार्यसमिति सदस्यों को ही अधिवेशन में संभागी बनाने का लक्ष्य रखें।
सभी शाखा मंडल से निवेदन है कि 15 सितम्बर 2022 को मध्यान्ह तक पहुंचने का लक्ष्य रखें।
अधिवेशन से आप 17 सितम्बर 2022 को मध्यान्ह में प्रस्थान कर सकते हैं।
विस्तृत जानकारी यथाशीघ्र संप्रेषित की जाएगी।

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय
रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com